कानपुर, सोमवार, 15 जून, 2026
वर्ष: 03, अंक: 146, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड 107 दिन पुराने तनाव का अंत..>Pg12
एल्डेको टाउनशिप्स को बड़ा झटका ...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

महायुद्ध थमा सेंसेक्स दौड़ा

अमेरिका-ईरान में शांति, सस्ता होता कच्चा तेल और होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने की उम्मीद से भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव के समाप्त होने तथा शांति समझौते की दिशा में हुई प्रगति का असर सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में साफ दिखाई दिया। वैश्विक निवेशकों की चिंता कम होने, कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आने और ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद से भारतीय बाजार में जोरदार खरीदारी देखने को मिली। सुबह के कारोबार में सेंसेक्स 1,100 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि निफ्टी भी 335 अंकों से ज्यादा मजबूत होकर 24 हजार के करीब पहुंच गया।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच 107 दिनों से चल रहे संघर्ष के समाप्त होने तथा होर्मुज जलडमरूमध्य के दोबारा खुलने की संभावना ने वैश्विक बाजारों को राहत दी है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल व्यापार के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में शामिल है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। ब्रेंट क्रूड लगभग 4 से 5 प्रतिशत गिरकर 83-84 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया, जिससे आयात बिल, महंगाई और चालू खाते के घाटे पर दबाव कम होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, विमानन, सीमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के शेयरों में विशेष तेजी देखी गई। निवेशकों को भरोसा है कि यदि तेल कीमतें नियंत्रित रहती हैं तो भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर को भी समर्थन मिलेगा। रुपये में भी मजबूती दर्ज की गई। डॉलर के मुकाबले रुपया 94.68 के स्तर तक पहुंच गया, जो पिछले एक महीने से अधिक समय का सबसे मजबूत स्तर माना जा रहा है। इससे विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ने और पूंजी प्रवाह में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि समझौते के पूर्ण क्रियान्वयन, तेल आपूर्ति की वास्तविक बहाली और पश्चिम एशिया की राजनीतिक स्थिरता पर आगे भी नजर रखनी होगी। यदि शांति प्रक्रिया टिकाऊ रहती है तो भारतीय बाजारों में तेजी का यह दौर कुछ समय तक जारी रह सकता है।

भारत के लिए क्यों अहम है यह समझौता?

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से ऊर्जा आपूर्ति सुचारु रहने की संभावना बढ़ती है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को राहत मिलती है।

तेल सस्ता होने से क्या फायदा?

कच्चा तेल सस्ता होने पर पेट्रोलियम उत्पादों की लागत घटती है, परिवहन खर्च कम होता है और महंगाई पर नियंत्रण में मदद मिलती है। इससे उद्योगों की लागत भी घट सकती है।

किन सेक्टरों को सबसे ज्यादा लाभ?

एयरलाइंस, पेंट, टायर, सीमेंट, लॉजिस्टिक्स और तेल पर निर्भर उद्योगों को कम ईंधन लागत का फायदा मिलता है। बैंकिंग शेयरों में भी निवेशकों का भरोसा बढ़ता है।

रुपये में मजबूती का क्या अर्थ?

तेल सस्ता होने से डॉलर की मांग घटती है और रुपया मजबूत हो सकता है। मजबूत रुपया आयात लागत कम करने में सहायक होता है तथा विदेशी निवेश आकर्षित करता है।

आगे किन बातों पर रहेगी नजर?

निवेशक अमेरिका-ईरान समझौते के औपचारिक क्रियान्वयन, होर्मुज मार्ग पर तेल परिवहन की बहाली, वैश्विक तेल कीमतों की दिशा और विदेशी निवेश प्रवाह पर नजर रखेंगे।

भारतीय शेयर बाजार कितना उछला?

- सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,112.70 अंक चढ़कर 76,648.74 पर पहुंचा।
- निफ्टी 335.55 अंक बढ़कर 23,956.40 के स्तर पर पहुंचा।
- कुछ समय बाद सेंसेक्स 1,293 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 76,821 के स्तर तक गया।
- बैंकिंग और वित्तीय शेयरों ने तेजी का नेतृत्व किया।

मुस्कान उत्सव-2026 में बच्चों की प्रतिभा ने जीता सभी का दिल

विभिन्न शिक्षा केंद्रों के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शानदार प्रदर्शन किया

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर,आशा की किरण फाउंडेशन द्वारा आयोजित मुस्कान उत्सव 2026 का भव्य आयोजन मर्चेंट्स चैंबर सभागार में हुआ। कार्यक्रम में फाउंडेशन के विभिन्न शिक्षा केंद्रों के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य, गीत, नाटक एवं अन्य कार्यक्रमों ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे ,विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय कपूर,विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक सलिल विश्नोई एवं विधायक नीलिमा कटियार ने उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों ने आशा की किरण फाउंडेशन द्वारा शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।अपने संबोधन में माननीय सतीश महाना जी ने कहा कि आशा की किरण फाउंडेशन समाज के उन बच्चों के जीवन में नई रोशनी लाने का कार्य कर रहा है जिन्हें अवसरों की आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों को निरंतर आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।यह कार्यक्रम फाउंडेशन के अध्यक्ष विपुल जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की सफलता में संस्था के मानद सलाहकार प्रमोद पांडेय, महासचिव वैष्णवी सक्सेना, उपाध्यक्ष ऋषभ जैन, कोषाध्यक्ष अरुण जैन, संरक्षक अनिल जैन,निर्मला जैन,महेंद्र कटारिया,देवेंद्र डांग,राहुल जैन,कमलेश गुप्ता,अचिन अरोड़ा मीडिया प्रभारी, पंकज गुप्ता तथा कार्यक्रम संयोजक अनुप जैन, अमोद जैन, वीरेंद्र गुलाटी एवं गोपाल दीक्षित का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में आशा की किरण फाउंडेशन परिवार ने सभी अतिथियों, सहयोगियों, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित जनसमुदाय का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

गैस्ट्रो लिवर हॉस्पिटल के 'क्लीनिकल अपडेट' में दी इलाज की नई जानकारियां

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। गैस्ट्रो लिवर हॉस्पिटल ने द्वितीय क्लनिकल अपडेट का आयोजन,किंगस्टन रिसोर्ट में किया। इस कांफ्रेंस का मुख्य उद्देश्य मेडिकल क्षेत्र में होने वाली नई उपचार की जानकारियों को सभी डॉक्टरों को उपलब्ध कराना था। डॉ. अरुण कुमार, टेंडर पाम सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल लखनऊ में गुर्दा रोग विभाग के विभागाध्यक्ष ने गुर्दे की बीमारियों व रूमेटॉयड यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने के कारणों तथा उपचार के बारे में जानकारी दी।डॉ. अनुपम वाखलू ने रूमेटाइड आर्थराइटिस के बारे में विस्तार से बताया।डॉ.

अनुपम वाखलू अपोलो सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में इम्यूनोलॉजी एवं रूमेटोलॉजी विभाग में विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. सूर्यकांत, विभागाध्यक्ष रेस्पिरेटरी मेडिसिन, केजीएमयू, लखनऊ, ने स्लीप एपनिया के कारणों तथा उपचार के नए आयामों के बारे में जानकारी दी। डॉ सुहांग वर्मा ने पैंक्रियास की सूजन को समय रहते पहचानने व उपचार की नवीनतम दवाइयों के बारे में बताया। डॉ. सुहांग वर्मा मैक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल लखनऊ में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग में सीनियर कंसलटेंट हैं। डॉ खुशबू अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग,जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर ने ने मोटापे से होने वाले नुकसानों व मोटापा नियंत्रित करने की नई दवाईयों के बारे में बताया । डॉ स्वांशु बत्रा, कंसलटेंट न्यूरोलॉजिस्ट, हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल लखनऊ, ने माईग्रेन और विशेष तौर पर वेस्टिबुलर माइग्रेन की चर्चा की।

कार्यक्रम का प्रारम्भ डॉ वी के मिश्रा द्वारा सभी डॉक्टरों के स्वागत से किया गया। डॉ संजय काला, प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज, डॉ ऋचा गिरी, विभागाध्यक्ष मेडिसिन विभाग, डॉ नंदिनी रस्तोगी, डॉ ए सी अग्रवाल, उपस्थित रहे । डॉ शुभ्रा मिश्रा ऐवम डॉ श्रीपद ने सभी गेस्ट स्पीकर्स का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ रंजना यादव ने किया। कार्यक्रम में डॉ युवराज गुलाटी, डॉ सौरभ चावला, डॉ भरत मेहरोत्रा,डॉ विकास शुक्ला उपस्थित रहे।

महेश नवमी पर खेल प्रतियोगिताओं में युवाओं ने दिखाया गजब उत्साह

बैडमिंटन, टेबल टेनिस और फन गेम्स का आयोजन, 23 जून को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल द्वारा महेश नवमी महोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ग्रीन पार्क में बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता जबकि माहेश्वरी धर्मशाला में फन गेम्स आयोजित किए गए।

प्रतियोगिताओं में बच्चों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता को जूनियर और सीनियर वर्ग में विभाजित किया गया। बैडमिंटन जूनियर बालक वर्ग में सम्भव काल्या ने श्रेयांश को 11-6, 11-8 से हराया, जबकि जूनियर बालिका वर्ग में सुचिता विजेता रहीं। सीनियर वर्ग में मधुर करनानी ने विजय महोता को 11-6, 11-5 से पराजित किया।टेबल टेनिस जूनियर वर्ग में आदविक शिवम मूंदड़ा ने सम्भव काल्या को 3-0 से हराया। सीनियर वर्ग में माधव मल ने मधुर करनानी को 12-10, 11-8, 8-11 से शिकस्त दी। फन गेम्स में बच्चों ने जमकर आनंद लिया, वहीं कैरम और शतरंज प्रतियोगिता भी जारी रही। मंडल के मीडिया संयोजक रोहित कुमार सारड़ा ने बताया कि महेश नवमी महोत्सव 23 जून 2026 को मनाया जाएगा।

सुबह माहेश्वरी धर्मशाला से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो कमला टावर, सिरकी मोहाल, काहू कोठी, नयागंज चौराहा, बिरहाना रोड और फूलबाग होते हुए नानाराव पार्क स्थित श्याम महोत्सव स्थल पहुंचेगी। इस बार शोभायात्रा वापस धर्मशाला न जाकर सीधे महोत्सव स्थल पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भगवान महेश की आरती के साथ मेधावी छात्राओं एवं प्रतियोगिता विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माहेश्वरी लॉजिस्टिक के चेयरमैन नीरज लढ़ा होंगे।जिसमें राकेश मूदड़ा,शिवम मूंदड़ा , राघव नोवाल, युवराज झावर, प्रियांक चांडक, रोहित शारदा मौजूद रहे।

अनुशासनहीनता पर सीएसजेएमयू की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ममता सागर बर्खास्त

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) प्रशासन ने अनुशासनहीनता और परीक्षा संबंधी कार्यों में लापरवाही के आरोपों के चलते स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ममता सागर को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। डॉ. सागर विश्वविद्यालय के बायोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग में तैनात थीं।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, सम सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान डॉ. ममता सागर को परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए थे, लेकिन वह निर्धारित ड्यूटी से अनुपस्थित रहीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर जांच समिति गठित की गई।

समिति ने अपने प्रतिवेदन में उनके आचरण को अनुशासनहीनता तथा परीक्षा कार्यों के प्रति लापरवाही की श्रेणी में माना।

जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कुलपति ने मामले की समीक्षा की और विश्वविद्यालय हितों को ध्यान में रखते हुए कड़ी कार्रवाई का निर्णय लिया। इसके तहत डॉ. ममता सागर को तत्काल प्रभाव से सेवा मुक्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि परीक्षा कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। इस निर्णय को विश्वविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एल्डेको टाउनशिप्स को बड़ा झटका ईसीआरडब्ल्यूए का पंजीकरण निरस्त

वर्षों से उठ रहे थे प्रबंधन की मनमानी, अधूरी परियोजनाओं और सुविधाओं के सवाल

एल्डेको के निवासियों ने केडीए के टाउनप्लानर मनोज यादव को दिया था शिकायती पत्र।

02 | कानपुर सिटी | स्वराज इंडिया

एल्डिको टाउनशिप में सुरक्षा ध्वस्त!

गेटेड सोसाइटी में ताले तोड़कर चोरी

स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया | कानपुर सिटी | 03

पावर बैकअप काटने की धमकी पर एल्डेको सोसाइटी में हंगामा, भड़के 400 परिवारों के लोग

04 | www.swarajindianews.com कानपुर, शनिवार, 18 अप्रैल, 2026 | कानपुर सिटी | स्वराज इंडिया

एल्डिको टाउनशिप में अब 'टोटी चोरी'!

» विला A-28 से बाथरूम-किचन की टोटियां गायब

» CX04 और CX-05 के बाद अब A-28 विला में भी चोरी

» रहवासियों में दहशत, प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप

गेटेड सोसाइटी में लगातार चोरी की घटनाएं, सुरक्षा व्यवस्था कटघरे में

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। आईआईटी के पीछे स्थित एल्डिको जवाहरपुरम टाउनशिप में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गेटेड सोसाइटी होने के बावजूद अब यहां घरों के अंदर से टोटियां तक चोरी होने लगी हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल

खास खबर

गेटेड सोसाइटी का ये हाल?

सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जवाहरपुरम स्थित एल्डेको टाउनशिप्स में लंबे समय से चल रहे विवाद में निवासियों को बड़ी राहत मिली है। सोसायटी रजिस्ट्रार ने एल्डेको काउंटी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (ईसीआरडब्ल्यूए) का पंजीकरण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। इस निर्णय को टाउनशिप के निवासियों की वर्षों पुरानी लड़ाई की बड़ी जीत माना जा रहा है।

एल्डेको टाउनशिप्स में समस्याओं को लेकर असंतोष कोई नया नहीं है। बीते कई वर्षों से निवासी अधूरी परियोजनाओं, खराब आधारभूत सुविधाओं, जल निकासी व्यवस्था, सड़क एवं स्ट्रीट लाइट की समस्याओं, बिजली आपूर्ति से जुड़े मुद्दों तथा लगातार बढ़ते मेंटेनेंस शुल्क को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। कई बार निवासियों ने आरोप लगाया कि जिन सुविधाओं का वादा कर भूखंड और आवास बेचे गए थे, उनमें से कई आज तक पूरी तरह विकसित नहीं हो सकीं।

निवासियों की एकजुटता का असर

ईसीआरडब्ल्यूए का पंजीकरण निरस्त होना दर्शाता है कि संगठित और कानूनी तरीके से उठाई गई आवाज प्रभावी साबित हो सकती है। लगातार शिकायतों, दस्तावेजी साक्ष्यों और सामूहिक प्रयासों ने प्रशासन को कार्रवाई के लिए बाध्य किया।

निजी टाउनशिपों के लिए संदेश

यह फैसला निजी आवासीय परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए स्पष्ट संकेत है कि पारदर्शिता, जवाबदेही और निवासियों की भागीदारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नियमों की अनदेखी पर प्रशासनिक हस्तक्षेप की संभावना बढ़ जाती है।

आगे की सबसे बड़ी चुनौती

पंजीकरण निरस्त होना अंतिम समाधान नहीं है। वास्तविक चुनौती अधूरी परियोजनाओं को पूरा कराने, बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाने और निवासियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई, विश्वसनीय व्यवस्था स्थापित करने की होगी।

निवासियों का यह भी आरोप रहा है कि टाउनशिप में रखरखाव शुल्क लगातार बढ़ाया जाता रहा, लेकिन उसके अनुरूप सुविधाएं नहीं मिल सकीं। सुरक्षा व्यवस्था, पार्कों के रखरखाव, सामुदायिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इन मुद्दों को लेकर कई बार बैठकें, ज्ञापन और विरोध दर्ज कराए गए।

स्वराज इंडिया ने भी पिछले वर्षों में एल्डेको टाउनशिप्स के निवासियों की शिकायतों, प्रबंधन की कार्यप्रणाली, अधूरी परियोजनाओं और सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से प्रकाशित किया। अखबार में प्रकाशित खबरों के माध्यम से निवासियों की आवाज लगातार प्रशासन और संबंधित विभागों तक पहुंचती रही।

मामला तब और गंभीर हुआ जब निवासियों ने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होकर सोसायटी रजिस्ट्रार के समक्ष शिकायतें दर्ज कराईं। जांच के दौरान पंजीकरण प्रक्रिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए, जिसके बाद रजिस्ट्रार ने ईसीआरडब्ल्यूए का पंजीकरण निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया।

निवासियों का कहना है कि ईसीआरडब्ल्यूए के गठन और संचालन को लेकर शुरू से ही सवाल उठते रहे थे। उनका आरोप था कि यह संस्था वास्तविक निवासियों के प्रतिनिधित्व को कमजोर करने और उनकी एकजुट आवाज को विभाजित करने का माध्यम बन गई थी। अब पंजीकरण निरस्त होने के बाद निवासियों को उम्मीद है कि उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में नए सिरे से प्रयास होंगे। अधिवक्ता मनीष पांडे अनिल कनोडिया सहित अन्य स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल एक संगठन का पंजीकरण निरस्त होने का मामला नहीं, बल्कि टाउनशिप में पारदर्शिता, जवाबदेही और निवासियों के अधिकारों की लड़ाई की महत्वपूर्ण जीत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधूरी परियोजनाओं, लंबित सुविधाओं और अन्य जनहित के मुद्दों पर संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

एल्डेको टाउनशिप्स से जुड़े इस घटनाक्रम को शहर की निजी आवासीय परियोजनाओं में रहने वाले हजारों लोगों के लिए भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है, जहां निवासी अब अपने अधिकारों और सुविधाओं को लेकर पहले से अधिक मुखर दिखाई दे रहे हैं।

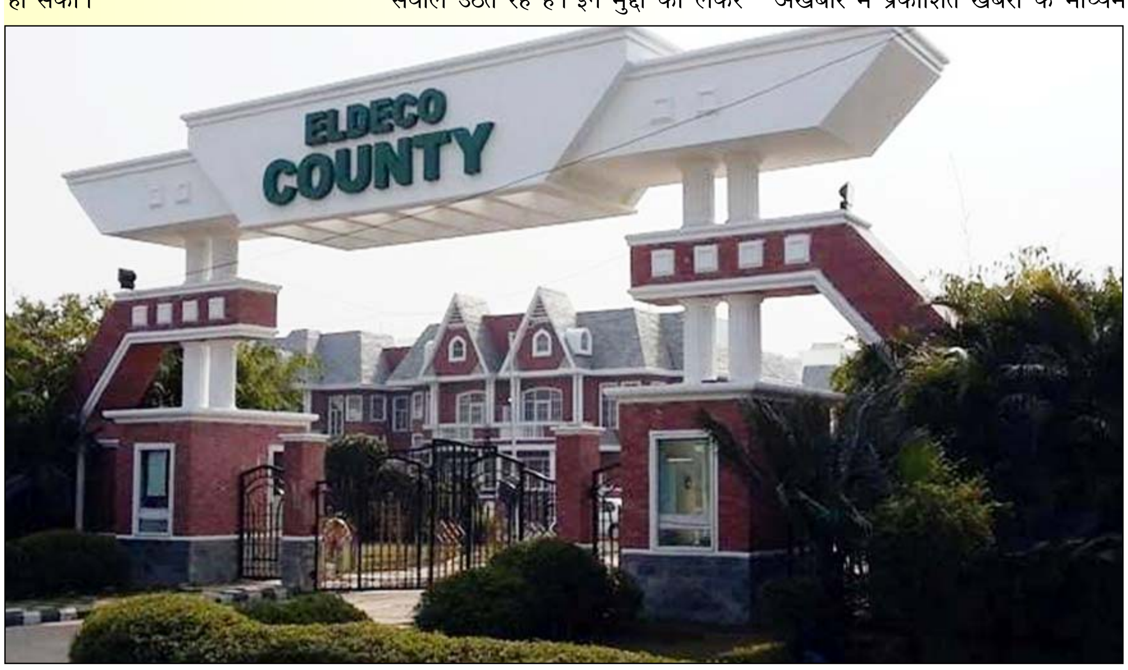

मौत के मुहाने से लौट आया युवक, सोशल मीडिया अलर्ट पर पुलिस ने बचाई जान

» इंस्टाग्राम अलर्ट से बची जिंदगी, सात मिनट में पहुंची पुलिस; मानसिक तनाव में युवक कर रहा था आत्महत्या का प्रयास

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। तकनीक और पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने एक युवक को नया जीवन दे दिया। सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र में मानसिक तनाव से जूझ रहे 30 वर्षीय युवक को आत्महत्या करने से ठीक पहले पुलिस ने बचा लिया। युवक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड किया था, जिसमें उसने आत्महत्या के संकेत दिए थे। वीडियो अपलोड होते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के सुरक्षा तंत्र ने इसे गंभीर मामला मानते हुए तत्काल अलर्ट जारी कर दिया, जिसके बाद पुलिस सक्रिय हो गई।जानकारी के अनुसार युवक पिछले कुछ दिनों से गहरे अवसाद में था। बताया गया कि उसकी मंगेतर ने उससे बातचीत बंद कर दी थी और उसका मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया था।इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा के सेफ्टी सिस्टम द्वारा जारी अलर्ट सीधे पुलिस मुख्यालय पहुंचा। वहां से सूचना कानपुर कमिश्नरेट के मीडिया सेल को भेजी गई और युवक की लोकेशन, मोबाइल नंबर तथा पते की जानकारी तत्काल सेन पश्चिम पारा थाने को उपलब्ध कराई गई।अलर्ट मिलते ही दरोगा कादिर खान और हरवीर सिंह अपनी टीम के साथ मौके के लिए रवाना हुए। पुलिस महज सात मिनट के भीतर युवक के घर पहुंच गई। कमरे में पहुंचने पर देखा गया कि युवक फंदा लगाकर आत्महत्या करने की तैयारी कर चुका था। पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए उसे सुरक्षित नीचे उतारा और उसकी जान बचा ली।

योग सप्ताह शुरू: सामूहिक योगाभ्यास कर डीएम ने दिया स्वास्थ्य का संदेश

21 जून को ग्रीन पार्क में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में अधिक से अधिक सहभागिता का किया आह्वान

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे योग सप्ताह (15 से 21 जून) के प्रथम दिन सोमवार को नानाराव पार्क में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने स्वयं कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कर उपस्थित लोगों को नियमित रूप से योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ÷करो योग, रहो निरोग÷ केवल एक नारा नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन का आधार है। योग व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाता है तथा अनेक बीमारियों से बचाव में भी सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने कहा कि यदि योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाए तो जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि आगामी 21 जून को ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करें और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने बताया कि योग सप्ताह के दौरान नानाराव पार्क, माल रोड, फूलबाग सहित जनपद के विभिन्न स्थानों पर प्रतिदिन योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों

का उद्देश्य योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा इसे जन-जन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जैन, अपर जिलाधिकारी नगर, प्रशासन एवं आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, योग प्रशिक्षक, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे और सामूहिक योगाभ्यास में सहभागिता की। योग सप्ताह के प्रथम दिन लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 15 करोड़ की साइबर ठगी, अंतरराज्यीय गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

» पुलिस, सीबीआई और सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बनकर लोगों को डराते थे आरोपी

» 450 से अधिक फर्जी बैंक खातों के जरिए देशभर में करीब 2,500 लोगों को बनाया शिकार

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। थाना शिवराजपुर पुलिस और साइबर क्राइम सेल की संयुक्त कार्रवाई में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य खुद को पुलिस, सीबीआई और अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को फर्जी मामलों में फंसाने और गिरफ्तारी का भय दिखाते थे। इसके बाद पीड़ितों से बड़ी रकम वसूल ली जाती थी।

जांच में सामने आया कि ठगी से प्राप्त धनराशि को पी-टू-पी ट्रेडिंग के माध्यम से यूएसडीटी (क्रिप्टोकरेंसी) में परिवर्तित कर दिया जाता था, जिससे रकम का पता लगाना कठिन हो जाता था। एनसीआरपी और प्रतिबिंब पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार गिरोह पिछले लगभग तीन वर्षों से सक्रिय था और देशभर में करीब 2,500 लोगों से 15 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है।

पुलिस ने गिरोह के कब्जे से पांच मोबाइल फोन, एक टैबलेट, 10 बैंक पासबुक, दो चेकबुक और 12 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में अशरफ खान, सूरज कुमार, राजन कटियार, राजदीप, भीमरतन कुमार और कमल शामिल हैं। इनके खिलाफ उत्तर प्रदेश के अलावा दिल्ली, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भी शिकायतें दर्ज हैं।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2), 318(4) तथा आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय सफलता पर पुलिस टीम को 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अमरनाथ यात्रियों के लिए कानपुर से रवाना हुआ भंडारा दल

भंडारा एकत्र करने में दिखी सर्वदलीय एकता की मिसाल

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। पवित्र अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा हेतु एचएएल कॉलोनी से भंडारा दल को विधिवत रवाना किया गया। इस अवसर पर राजनीति से ऊपर उठकर विभिन्न दलों के नेताओं ने एक मंच पर आकर सेवा और श्रद्धा का संदेश दिया।

कार्यक्रम में कानपुर देहात कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक परिवार की प्रतिनिधि तथा सरसौल ब्लॉक प्रमुख विजय रत्ना तोमर तथा वरिष्ठ समाजवादी नेता मनोज शुक्ला ने सहभागिता करते हुए भंडारा दल को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।

मुख्य आयोजक नीरज तिवारी ने बताया कि अमरनाथ

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भोजन, जलपान एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पूर्णतः सेवा भावना और बाबा बर्फानी के भक्तों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित रहे और बाबा अमरनाथ के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भी सहयोग का संकल्प लिया।

विशेष रूप से पुलिस विभाग तथा नगर निगम के कर्मचारियों का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जनसेवा में लगे कर्मियों का सम्मान समाज की जिम्मेदारी है और ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता एवं एकता को बल मिलता है।

भंडारा दल की रवानगी के अवसर पर सर्वदलीय सहभागिता ने यह संदेश दिया कि धार्मिक और सामाजिक सेवा के कार्यों में राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर समाजहित को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। श्रद्धालुओं ने बाबा अमरनाथ से देश, प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

सम्पादकीय

नीट परीक्षा रद्द होने से प्रतिभाएं हताश

हमारे तंत्र की नाकामी और परीक्षा तंत्र में भ्रष्टाचारियों की बढ़ती सेंध का ही नतीजा है कि पेपर लीक के बाद नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट परीक्षा 2026 रद्द कर दी गई। भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में दाखिले के लिए तीन मई को परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें करीब पौने तेईस लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। ये परीक्षाएं देश के 551 शहरों और विदेशों के 14 शहरों में 5400 केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। दरअसल, पेपर लीक होने के आरोपों के बाद जांच एजेंसियों की सिफारिश पर परीक्षा रद्द की गई है। केंद्र सरकार ने कथित रूप से डेटा लीक और धांधली की व्यापक जांच के लिए सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि व्यवस्था में विश्वास बहाली के लिए फिर से परीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। कहा जा रहा है कि एनटीए ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा निष्कर्षों की प्रारंभिक जांच के आधार पर परीक्षा स्थगन का फैसला लिया। निस्संदेह, इस फैसले ने उन लाखों छात्रों को निराश ही किया है जो महीनों से परीक्षा की तैयारी में लगे थे। अब उन्हें नये सिरे से परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नीट प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने एनटीए व केंद्र सरकार पर तीखे हमले बोले हैं। कहा जा रहा है कि एनटीए में सुधार नहीं, अब पूरी संरचना बदलने की जरूरत है। एक संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा जा रहा है कि एनटीए के बुनियादी पुनर्गठन की जरूरत है। राजनेता पीपर लीक व प्रश्नपत्रों में गलती सामने आने को छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बता रहे हैं। साथ ही पूरी परीक्षा प्रणाली को बदलने की मांग की जा रही है। साथ ही एनटीए के उद्देश्य और कार्यक्षमता को लेकर शंका जतायी जा रही है।वहीं कांग्रेस का आरोप है कि एनटीए द्वारा आयोजित 14 राष्ट्रीय परीक्षाओं में से पांच में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले उजागर हुए हैं। इनमें जेईई मेन्स 2025 उत्तर कुंजी के दोषपूर्ण होने पर प्रश्नपत्र में 12 प्रश्न वापस लेने पड़े थे। मांग है कि एनटीए को केंद्रीयकृत करने के बजाय संसद के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। वहीं एनटीए कह रहा है कि छात्रों को नया आवेदन नहीं करना होगा, न ही कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क लगेगा। यह भी कि एनटीए अपने संसाधनों का प्रयोग करके दोबारा परीक्षा आयोजित करेगी। साथ ही एनटीए ने परीक्षा में गड़बड़ी की जवाबदेही स्वीकारी है। दरअसल, आरोप है कि नीट का पेपर 'क्वेश्चन बैंक' के जरिये लीक किया गया, जिसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी के तीन से ज्यादा सवाल थे। जिसमें आधे हूबहू परीक्षा में आए। आशंका है कि सोशल मीडिया के जरिये ये प्रश्नपत्र लाखों तक पहुंचे। हालांकि, इस मामले का खुलासा सीकर से हुआ, लेकिन कहते हैं कि पेपर पहले केरल से एक मई को आया और उसके तार नासिक से लेकर उत्तराखंड तक जुड़े थे। एनटीए ने कहा है कि सात मई की रात एक व्हिसलब्लोअर से उन्हें पेपर लीक की सूचना मिली।

बताते हैं कि सीकर के एक पीजी संचालक ने पेपर लीक की सूचना पुलिस को दी। कालांतर में पेपर से जुड़ी ऑनलाइन चैट वायरल हो गई। एनटीए द्वारा जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने के बाद एक दर्जन से अधिक लोग गिरफ्तार किए गए। यह विडंबना ही है कि भ्रष्टाचार के बाजार में लाखों छात्रों की मेहनत और सपने नीलाम हो रहे हैं। कुछ लोग लीक मामलों में राजनीतिक संरक्षण के भी आरोप लगा रहे हैं। तभी कई बार नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के बावजूद किसी को बड़ी सजा अब तक नहीं मिली है।

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

विपिन सचदेवा

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए।भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं।

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है।

जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी।

यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है

, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है।

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म

हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है।

दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है।हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल

में बदल दिया।अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं।दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है।साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं। यही कारण है कि अब सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को भी पूर्वोत्तर के अधिकांश हिस्सों से हटाने की तैयारी चल रही है। अमित शाह ने विश्वास जताया कि अगले वर्ष एक या दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से यह कानून हटाया जा सकता है। यह बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दशकों तक पूर्वोत्तर की पहचान उग्रवाद, सैन्य उपस्थिति और अस्थिरता से जुड़ी रही है। रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह समझौता चीन और दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ी भारत की व्यापक नीति से भी मेल खाता है। पूर्वोत्तर भारत लंबे समय तक केवल भौगोलिक सीमा माना जाता रहा, लेकिन अब उसे आर्थिक गलियारे, ऊर्जा केंद्र और संपर्क सेतु के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, रेल, निवेश, पर्यटन और ऊर्जा परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रही है। तेल और गैस परियोजनाओं के सक्रिय होने से निजी निवेश बढ़ेगा, रोजगार पैदा होंगे और क्षेत्रीय असंतोष कम होगा। यही वह बिंदु है जहां विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी कहा कि यह समझौता देश की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। वहीं नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो की सहमति इस बात का संकेत है कि अब पूर्वोत्तर की राजनीति टकराव से अधिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रही है। यही कारण है कि अमित शाह ने इसे जीत हार का नहीं, बल्कि सबकी जीत का समझौता बताया।

बहरहाल, अब स्पष्ट है कि यह त्रिपक्षीय समझौता केवल सीमाई विवाद सुलझाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के भविष्य को नए सिरे से परिभाषित करने की शुरुआत है।

उड़ान थमी तो थम गई ट्रेन, मोर से टकराने पर 45 मिनट रुका सफर

बर्राजपुर के पास हुई घटना, बिजली आपूर्ति बाधित होने से यात्रियों को करना पड़ा इंतजार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कासगंज से कानपुर जा रही पैसेंजर ट्रेन रविवार को बर्राजपुर रेलवे स्टेशन के समीप एक अप्रत्याशित घटना के चलते करीब 45 मिनट तक प्रभावित रही। ट्रेन के इंजन के ऊपर लगे पेंटो में एक मोर फंस जाने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, जिसके चलते ट्रेन स्टेशन पहुंचने से पहले ही रुक गई।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन बर्राजपुर स्टेशन से कुछ दूरी पर थी तभी उड़ता हुआ मोर इंजन के पेंटोग्राफ से टकरा गया। टक्कर के बाद मोर पेंटो में फंस गया, जिससे ओवरहेड विद्युत लाइन से संपर्क टूट गया और ट्रेन की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। अचानक सप्लाई बाधित होने पर चालक ने ट्रेन रोक दी और मामले की

मृत मोर को तिरंगे में लपेटकर सम्मानपूर्वक ले जाया गया व पेंटो में फंसे मृत मोर को निकालते रेलवे कर्मचारी।

सूचना स्टेशन मास्टर को दी। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन हरकत में आया। चौबेपुर स्थित एआरडी (एक्सीडेंट रिलीफ ड्यूटी) टीम और ओएचई विभाग के कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। तकनीकी टीम ने सावधानीपूर्वक पेंटो में फंसे मोर को बाहर निकाला, जबकि ओएचई कर्मियों ने विद्युत लाइन की जांच कर संपर्क बहाल किया। तकनीकी कार्य पूरा होने के बाद ट्रेन को पुन: रवाना किया गया। इस दौरान यात्रियों को लगभग 45 मिनट तक ट्रेन में ही इंतजार करना पड़ा।

➩ मृत मोर को तिरंगे में लपेटकर सम्मानपूर्वक हटाया गया

सम्मान के साथ हटाया गया मोर का शव

घटना में मोर की मौत के बाद रेलवे कर्मचारियों ने राष्ट्रीय पक्षी के शव को सम्मानपूर्वक स्ट्रेचर पर रखकर हटाया। रेलवे सूत्रों के मुताबिक आवश्यक औपचारिकताओं के तहत मोर का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जिसके बाद नियमानुसार अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि समय रहते तकनीकी खराबी दूर कर ट्रेन संचालन को सुरक्षित ढंग से सामान्य कर दिया गया।

40 माह के कार्यकाल के बाद ईओ अंजनी मिश्रा को दी गई विदाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। नगर पालिका परिषद बिल्हौर की अधिशाषी अधिकारी अंजनी मिश्रा के स्थानांतरण पर रविवार को पालिका परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। पालिका अध्यक्ष, सभासदों और कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल को याद करते हुए सम्मानपूर्वक विदाई दी तथा नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि अंजनी मिश्रा के कार्यकाल में नगर की आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए। सफाई व्यवस्था को मजबूत करने, पेयजल आपूर्ति में सुधार, प्रकाश व्यवस्था के विस्तार तथा विभिन्न विकास योजनाओं को गति देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। नगर के विभिन्न वार्डों में जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया गया।

अपने संबोधन में अंजनी मिश्रा ने बिल्हौर में बिताए लगभग 40 माह के कार्यकाल को यादगार बताते हुए कहा कि नगर के विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और नगरवासियों का लगातार सहयोग मिलता रहा।

उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही विकास योजनाएं सफल हो पाती हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्हें स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पालिका चेयरमैन इखलाक खां, सभासदगण, पालिका कर्मचारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

तुम्हारे बाद मोहब्बत तो दूर की बातें...

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। तुम्हारे बाद मोहब्बत तो दूर की बातें, किसी को दोस्त भी दिल से नहीं बनाया है...हरदोई के शायर सलमान जफर ने जैसे ही यह शेर पढ़ा, पंडाल तालियों और वाह-वाह की आवाजों से गूंज उठा। कस्बे के एक मैरिज हॉल में आयोजित ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन में देर रात तक शेरो-शायरी और कविताओं का दौर चलता रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष इकलाख और गेस्ट हाउस के स्वामी नसीम अख्तर ने फीता काटकर किया। इस दौरान सपा की पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रचना गौतम सहित क्षेत्र के कई लोग मौजूद रहे।

मुशायरे में मुंबई के नवीन जोशी, कन्नौज के मशकूर मननून, दिल्ली के कुशल दौनेरिया, प्रतापगढ़ की पूनम विश्वकर्मा और बिल्हौर के मुस्तवीन बिल्हौरी समेत कई शायरों और कवियों ने अपनी प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सैयद असीम और अर्शलान, रहबर बिल्हौरी ने किया। देर रात तक चली अदबी महफिल में श्रोता डटे रहे और रचनाओं का भरपूर आनंद लिया।

आयोजकों संग मंच पर मौजूद शायर व कवि।

➩ ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन में शायरों ने बांधा समां

कुछ इस अंदाज में शेर पढ़ते शायर सलमान जफर

ककवन में सचिवों के प्रभार बंटवारे पर उठे सवाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ककवन/बिल्हौर (कानपुर)। विकास खंड ककवन में ग्राम पंचायत सचिवों के बीच कार्यों के वितरण को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है। सचिवों को सौंपी गई ग्राम पंचायतों और अतिरिक्त जिम्मेदारियों में भारी अंतर होने की बात सामने आने के बाद व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि जहां कुछ सचिव सीमित कार्यभार संभाल रहे हैं, वहीं एक कर्मचारी को कई ग्राम पंचायतों के साथ अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी सौंप दी गई हैं।

सूत्रों के अनुसार ब्लॉक में तैनात एक सचिव के पास आठ ग्राम पंचायतों का दायित्व है। इसके अलावा उन्हें ब्लॉक स्तर पर एक अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। दूसरी ओर कुछ सचिव ऐसे हैं, जिनके पास केवल दो-दो ग्राम पंचायतों का कार्यभार है। कार्यों के इस असमान वितरण को लेकर कर्मचारियों के बीच भी चर्चा बनी हुई है। मामले को लेकर यह भी सवाल उठ रहे हैं कि जिस कार्य का अतिरिक्त प्रभार संबंधित सचिव को दिया गया है, उससे जुड़े पद पर नियमित रूप से कार्य करने का अवसर उन्हें पूर्व में पदोन्नति के माध्यम से मिल सकता था, लेकिन उस समय पदोन्नति स्वीकार नहीं की गई थी। ऐसे में अब उसी प्रकृति की जिम्मेदारी प्रभारी के रूप में सौंपे जाने को लेकर लोग विभिन्न तरह के सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि ग्राम पंचायतों की संख्या और जिम्मेदारियों का संतुलित बंटवारा प्रशासनिक दृष्टि से आवश्यक है। उनका मानना है कि यदि कुछ कर्मचारियों पर अत्यधिक कार्यभार रहेगा और कुछ के पास अपेक्षाकृत कम जिम्मेदारियां होंगी तो विकास कार्यों की निगरानी और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर असर पड़ सकता है। क्षेत्रीय लोगों ने मांग की है कि सचिवों को सौंपे गए कार्यों और अतिरिक्त प्रभारों की समीक्षा कराई जाए तथा यदि कहीं असंतुलन है तो उसे दूर किया जाए। उनका कहना है कि पारदर्शी व्यवस्था से न केवल कर्मचारियों में संतोष रहेगा बल्कि ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। इस संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार पटेल से संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया। हालांकि उन्होंने इस विषय पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी।

जगदंबे मैया की महाआरती में श्रद्धालुओं ने लगाए जयकारे मानवता सेवा का संदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा बिल्हौर द्वारा बरौली रोड स्थित शनि धाम पार्टी लॉन में जगदंबे मैया की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समर्पण, स्तुति और भावगीतों के साथ हुआ, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से महाआरती में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान संगठन पदाधिकारियों ने संगठन की विचारधारा पर प्रकाश डाला। तहसील अध्यक्ष डॉ. संजय त्रिपाठी ने कहा कि संगठन का लक्ष्य धर्म, राष्ट्र और मानवता की सेवा है। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा लोगों को नशामुक्त, मांसाहारमुक्त और संस्कारवान जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अंत में श्रद्धालुओं ने शक्तिजल एवं प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में मां भक्त उपस्थित रहे।

एक लाख का इनामी इजराइल पुलिस मुठभेड़ में ढेर

साधु राममिलन दास हत्याकांड का मुख्य आरोपी तड़के घेराबंदी के दौरान मारा गया

स्वराज इंडिया संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव के बांगरमऊ क्षेत्र में चर्चित साधु राममिलन दास हत्याकांड के मुख्य आरोपी और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश इजराइल उर्फ इसराइल को पुलिस ने सोमवार तड़के मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पर साधु की निर्मम हत्या का आरोप था और वह घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस और एसओजी टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जांच कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित आरोपी इजराइल ताजपुर अंडरपास के पास किसी साथी का इंतजार कर रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर उसे आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

आरोपी की गोली उपनिरीक्षक न्यूटन कुमार सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिससे उनकी जान बच गई। वहीं एसओजी के सिपाही विकास भदौरिया के हाथ में गोली लगने से वह घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से इजराइल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांगरमऊ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने 315 बोर का तमंचा, दो खोखा कारतूस और एक चाकू बरामद किया है। पुलिस का दावा है कि बरामद चाकू का इस्तेमाल साधु राममिलन दास की हत्या में किया गया था।

फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि नौ जून को बांगरमऊ के घूरेटोला मोहल्ले में मंदिर निर्माण कार्य की देखरेख कर रहे संत राममिलन दास की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया था और लोगों ने बांगरमऊ-हरदोई मार्ग पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया था।

पुलिस ने मामले में पांच नामजद समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। अब मुख्य आरोपी के मारे जाने के बाद पुलिस शेष आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

फर्जी जनसेवा केंद्र चलाकर लोगों से ठगी करने वाले बाप-बेटा गिरफ्तार

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

स्वराज इंडिया संवाददाता

मेरठ। साइबर सेल और लिसाड़ी गेट थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए फर्जी जनसेवा केंद्र संचालित कर लोगों को झांसा देने वाले बाप-बेटे को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 180 आधार कार्ड, 139 मतदाता पहचान पत्र सहित बड़ी संख्या में संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस मामले को साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी से जोड़कर जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाहिद और उसके पुत्र अरमान के रूप में हुई है। दोनों लंबे समय से जनसेवा केंद्र की आड़ में गरीब और अशिक्षित लोगों को सरकारी योजनाओं तथा बैंकिंग सुविधाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेज एकत्र कर रहे थे। आरोप है कि इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए गए, जिनका उपयोग संदिग्ध लेन-देन में किया जा सकता है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में आधार कार्ड, वोटर आईडी, बैंक संबंधी अभिलेख, कंप्यूटर उपकरण और अन्य दस्तावेज बरामद किए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कई लोगों को यह तक जानकारी नहीं थी कि उनके नाम पर बैंक खाते खोले जा चुके हैं।एसपी सिटी के अनुसार बरामद दस्तावेजों और खातों की गहन जांच कराई जा रही है। जिन बैंकों में खाते खोले गए हैं, वहां की प्रक्रिया और संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की भी पड़ताल होगी। यदि बैंककर्मियों की लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है तो उनके खिलाफ भी विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

महाभारत काल से जुड़ा है लखीमपुर का रहस्यमयी अंतर्वेद जंगल

प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ पौराणिक कथाओं और आस्था का अद्भुत केंद्र बना

स्वराज इंडिया संवाददाता

लखीमपुर खीरी। यूपी का सबसे बड़ा जिला होने के साथ साथ यह जिला अपने भीतर कई ऐतिहासिक और धार्मिक रहस्यों को समेटे हुए है। इन्हीं में से एक है अंतर्वेद जंगल, जो प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ पौराणिक कथाओं और आस्था का अद्भुत केंद्र बना हुआ है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, महाभारत काल के दौरान अज्ञातवास में भटकते हुए पांडवों ने कुछ समय इस जंगल में बिताया था। जनश्रुतियों में कहा जाता है कि बलशाली भीम ने अपनी गदा से जंगल के चारों ओर एक गहरी खाई बना दी थी, जिसमें आज भी पानी भरा रहता है। यह खाई कभी सूखती नहीं और जंगल के जंगली जीव इसी से अपनी प्यास बुझाते हैं।

जंगल के भीतर स्थित एक रहस्यमयी गुफा लोगों के बीच आज भी चर्चा का विषय बनी हुई है। कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति इस गुफा में प्रवेश करता था, वह वापस नहीं लौटता था। सुरक्षा कारणों से प्रशासन द्वारा इस गुफा को बंद कर दिया गया है। समय के साथ यह स्थान ऋषि-मुनियों और साधु-संतों की तपस्थली बन गया। कई तपस्वियों ने यहां कठोर साधना कर सिद्धियां प्राप्त कीं। आज भी उनकी स्मृति में बनी समाधियां यहां मौजूद हैं, जो इस स्थान की आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाती हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, महाभारत काल के बाद यहां एक सिद्ध बाबा भी आए थे, जिनकी कथाएं आज भी लोगों के बीच जीवित हैं। कहा जाता है कि बाबा का जीव-जंतुओं से अद्भुत लगाव था–एक शेर, एक मगरमच्छ और 'मथुरादास' नाम का बंदर उनके

जंगल में मौजूद ऐतिहासिक भव्य मंदिर

साथ रहता था। जनश्रुति है कि बाबा शेर पर सवारी करते, मगरमच्छ की पीठ पर बैठकर सरोवर से कमल तोड़ते और बंदर उनके लिए फल लाता था। हर वर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इस जंगल में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालु सिद्ध बाबा के स्थल पर माथा टेकते हैं और भंडारे व पूजा-पाठ का आयोजन करते हैं। इस दिन पूरा क्षेत्र धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है।बताया जाता है कि झंडी स्टेट के स्व. राजा राज रघुवर सिंह जो कि अपने सामाजिक कार्यों के लिए बहुत लोकप्रिय थे मगर उनके संतान की उत्पति नहीं थी। जिसके चलते उन्हें चिंता थी कि उनके बाद झंडी राज स्टेट का वारिश कौन होगा? जिसके चलते उन्हें अंतर्वेद जंगल के सिद्ध बाबा के बारे में जानकारी होती है तो वह उनके पास जाते है और अपनी व्यथा को बताते है। जिसके बाद उनके आशीर्वाद से राजा रघुवर सिंह को पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। जिनका नाम राजा राज बहादुर

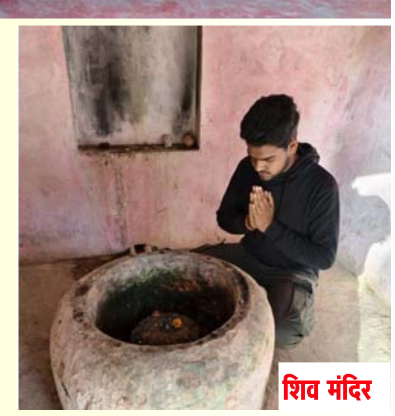

शिव मंदिर

सिंह पड़ा। चूंकि अंतर्वेद जंगल का अधिकांश हिस्सा राजा झंडी का ही था मगर पुत्र की प्राप्ति के बाद राजा रघुवर सिंह ने जंगल में ही एक आश्रम का निर्माण करवाया था जो आज भी मौजूद है और 300 बीघा जमीन दान में दे दी थी। हर साल झंडी राज परिवार के द्वारा आश्रम में भंडारे का आयोजन किया जाता रहा है।

यमुना में नहाने गई किशोरी को बचाने में किशोर डूबा

» दो परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़, पूरे गांव में छाया मातम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मौके पर जांच करते पुलिस टीम के साथ नायब तहसीलदार

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के नयापुरवा गांव में यमुना नदी में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। नदी में नहाने गई दो किशोरियां गहरे पानी में डूबने लगीं। उन्हें बचाने के लिए नदी में कूदे एक किशोर ने एक किशोरी की जान तो बचा ली, लेकिन दूसरी को बचाने के प्रयास में वह खुद भी लापता हो गया। घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातम पसर गया।जानकारी के अनुसार, नयापुरवा गांव निवासी सुनील निषाद की 12 वर्षीय पुत्री जाह्नवी उर्फ भूरी अपनी पड़ोसी सहेली 15 वर्षीय ज्योति पुत्री अनिल के साथ सुबह यमुना नदी में नहाने गई थी। नहाते समय दोनों किशोरियां गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। दोनों को बचाने के लिए गांव के ही 16 वर्षीय अनंतराम पुत्र पृथ्वी ने बिना अपनी जान की परवाह किए यमुना में छलांग लगा दी। अनंतराम ने साहस का परिचय देते हुए ज्योति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन जाह्नवी को बचाने के प्रयास में वह खुद भी तेज बहाव और गहरे पानी की चपेट में आ गया। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में चीख-पुकार मच गई। परिजन बदहवास हालत में नदी किनारे पहुंच गए। गांव के युवकों ने भी नदी में उतरकर जाह्नवी और अनंतराम की तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका।

सूचना पर भोगनीपुर तहसील के नायब तहसीलदार अनुरुद्र चतुर्वेदी साथ क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर राजीव सिरोही और मूसानगर थाना प्रभारी अमिता वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली। दोनों की तलाश के लिए एसडीआरएफ टीम को भी बुलाया गया है।

बेटे की तलाश में मां भी कूद पड़ी

यमुना में बेटे के डूबने की सूचना मिलते ही अनंतराम की मां गीता खुद को संभाल नहीं सकीं और बेटे को तलाशने के लिए यमुना में कूद पड़ीं। उन्हें बचाने के लिए गांव की शांति देवी भी नदी में उतर गईं, लेकिन वह भी डूबने लगीं। मौके पर मौजूद गोताखोर जाहिर सिंह ने साहस दिखाते हुए दोनों महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

नए थाना प्रभारी का चोरी के मामलों के जल्द खुलासे का दावा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाने के नवागत थाना प्रभारी सनत कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा हाल के दिनों में हुई चोरी की घटनाओं को लेकर रही। पत्रकारों ने लगातार चोरियों के खुलासे और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए, जिस पर थाना प्रभारी ने भरोसा दिलाया कि सभी मामलों की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की घटनाओं का खुलासा किया जाएगा। उन्होंने ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पुलिस की प्राथमिकता है और कानून से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। थाना क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जा रही है, संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने क्षेत्रीय जनता से भी सहयोग की अपील की। कहा कि यदि किसी भी गांव, कस्बे या बाजार में कोई संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

आमने-सामने बाइक भिड़ंत में डिलीवरी बॉय समेत दो की मौत, एक घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के किशुनपुर गांव के पास रूरा-डेरापुर मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसे में एक डिलीवरी बॉय समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार, रूरा थाना क्षेत्र के हसनापुर गांव निवासी 35 वर्षीय सूर्यभान पुत्र स्वर्गीय शिवनाथ सिंह एक निजी कंपनी में डिलीवरी बॉय के रूप में कार्यरत थे। वह पार्सल वितरित करने के बाद डेरापुर की ओर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 6ः30 बजे करीब किशुनपुर गांव के सामने उनकी बाइक की रूरा की ओर से आ रही दूसरी बाइक से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों पर सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।सीएचसी में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. हिना कौसर ने सूर्यभान और दूसरी बाइक पर सवार बलुआपुर निवासी कमल को मृत घोषित कर दिया। वहीं सूर्यभान के चचेरे भाई रामपाल की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष सुधीर भारद्वाज ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सोमवती अमावस्या : मांगा अखंड सौभाग्य

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर अकबरपुर कालिका देवी मंदिर के सामने स्थित इंटर कॉलेज मैदान में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। समाजसेवी कंचन मिश्रा के नेतृत्व में स्थानीय महिलाओं ने पीपल वृक्ष की 108 प्रदक्षिणा कर परिवार की सुख-समृद्धि, पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य की कामना की।

सुबह से ही मंदिर परिसर में महिलाओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचीं महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और पीपल वृक्ष के चारों ओर 108 परिक्रमा कर भगवान शिव तथा त्रिदेव का स्मरण किया। श्रद्धालुओं ने परिवार के कल्याण, सुखद वैवाहिक जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना की।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जब अमावस्या तिथि सोमवार को पड़ती है तो उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। यह दिन भगवान शिव की आराधना, पितरों की शांति तथा दान-पुण्य के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि पीपल वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है तथा इसकी पूजा और परिक्रमा करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।इस अवसर पर कंचन मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं में आस्था लोगों को जोड़ने का कार्य करती है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, पारिवारिक सौहार्द और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं।सोमवती अमावस्या पर हुए इस आयोजन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि आधुनिकता के दौर में भी लोगों की धार्मिक आस्था और परंपराओं के प्रति विश्वास आज भी उतना ही मजबूत है,

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप में लगी आग, जान बची

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। क्षेत्र के ग्राम नौहा नौगांव में आयोजित साई दरबार मंदिर की भागवत कथा के समापन के बाद श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए अरौल जा रहे थे। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए दो पिकअप गाड़ियां लगाई गई थीं। एक पिकअप में युवक सवार थे, जबकि दूसरी पिकअप में महिलाएं, युवतियां और छोटे बच्चे बैठे थे।

जैसे ही गाड़ी कुरंगना गांव के पास पहुंची, तभी महिलाओं और बच्चों से भरी पिकअप में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी गाड़ी धू-धू कर जलने लगी। घटना के दौरान चीख-पुकार मच गई, लेकिन गनीमत रही कि सभी महिलाएं,

बच्चियां और छोटे बच्चे समय रहते वाहन से उतर गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि कुछ ही देर में वाहन पूरी तरह जल गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट से आग लगने की जताई जा रही है।

प्रोजेक्ट नई किरण में 6 घंटे की सुनवाई में 3 परिवारों का हुआ मिलन

माती पुलिस लाइन में चली विशेष जनसुनवाई, 30 मामलों में सुनवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पारिवारिक विवादों और टूटते रिश्तों को जोड़ने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा संचालित प्रोजेक्ट नई किरण के तहत रविवार को माती स्थित पुलिस लाइन सभागार में विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय की अध्यक्षता में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चली इस छह घंटे लंबी सुनवाई में कुल 30 मामले सामने आए।

जनसुनवाई के दौरान काउंसलिंग टीम और प्रोजेक्ट नई किरण के सदस्यों ने पति-पत्नी एवं परिवारों के बीच चल रहे विवादों को गंभीरता से सुना और उन्हें समझाने-बुझाने का प्रयास किया। इसका सकारात्मक परिणाम यह रहा कि तीन परिवारों में आपसी सहमति और समझौता कराया गया, जिससे टूटने की कगार पर पहुंचे रिश्तों को नया जीवन मिल सका। समझौते के बाद पति-पत्नी ने आपसी मतभेद भुलाकर एक साथ रहने की सहमति जताई। बाकी प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि इन मामलों में भी दोनों पक्षों को समझाने और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान निकालने का प्रयास जारी रहेगा।इस अवसर पर कंचन मिश्रा ने कहा कि प्रोजेक्ट नई किरण का मुख्य उद्देश्य बिखरे हुए परिवारों को एक सूत्र में बांधना और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस पहल से जनपद में कई परिवारों को नई दिशा और नया जीवन मिलेगा। कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी सुषमा, मुख्य आरक्षी जयमाला, महिला

कांस्टेबल रीतू, रजना सोनकर, शालू देवी सहित प्रोजेक्ट नई किरण की सदस्य कंचन मिश्रा एवं डॉ. पूनम गुप्ता का विशेष योगदान रहा। पुलिस की इस पहल को लेकर लोगों ने सराहना व्यक्त की है। जानकारों का मानना है कि न्यायालयों और थानों तक पहुंचने वाले पारिवारिक विवाद यदि संवाद और समझौते से सुलझ जाएं तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। प्रोजेक्ट नई किरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण और मानवीय प्रयास साबित हो रहा है।

चोरों का धावा, तीन घरों से 20 लाख के जेवर और 15 हजार की नकदी पार

एक ही रात में हुई तीन वारदातों से गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल

काटा गया मुख्य दरवाजे का कुंडा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के नारायणपुर गांव में शनिवार रात अज्ञात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाकर करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और 15 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। एक ही रात में हुई तीन वारदातों से गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

ग्रामीणों के अनुसार, सुबह करीब चार बजे डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और संबंधित थाना व चौकी पुलिस को सूचना दी गई।

आरोप है कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण तो किया, लेकिन न तो फोरेंसिक टीम को बुलाया और न ही मौके से साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया। ग्रामीणों का कहना है कि घरों के पीछे पैरों के निशान भी मौजूद थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें सुरक्षित करने की कोई कार्रवाई नहीं की।

टूटी अलमारी दिखाती शिवप्यारी।

गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक ज्ञान सिंह ने बताया कि उनके मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। शनिवार रात वह परिवार के साथ छत पर सो रहे थे। तड़के करीब साढ़े तीन बजे नीचे आने पर मुख्य दरवाजा खुला मिला। जांच करने पर एक कमरे की अलमारी का ताला टूटा मिला। अलमारी में रखी दो सोने की चेन, दो सोने के हार, पांच सोने की अंगूठियां और दो मंगलसूत्र गायब थे।

इसी गांव के सेवानिवृत्त शिक्षक रामनाथ यादव के घर भी चोरों ने धावा बोला। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर उनकी बेटी के सोने-चांदी के जेवर, दो ब्रेसलेट, बच्चों के सोने के आभूषण और तीन हजार रुपये नकद चोरी कर लिए।

इसके बाद घर के अन्य कमरों में रखे बक्सों को खंगालकर बहू के सोने-चांदी के जेवर, 12 चांदी के सिक्के, नकदी और साड़ियां भी उठा ले गए।

चोरों ने गांव के मुख्य मार्ग किनारे स्थित शिवप्यारी के मकान को भी निशाना बनाया।

शिवप्यारी ने बताया कि वह बरामदे में सो रही थीं। इसी दौरान चोर पीछे के कमरे का दरवाजा खोलकर अंदर घुस गए और अलमारी का ताला तोड़ दिया। चोर दो सोने की कील, चांदी के दो सिक्के, एक जोड़ी बिछिया, एक चांदी का बिस्कुट और तीन हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए।

एक ही रात में तीन घरों में हुई चोरी की घटनाओं के बाद ग्रामीणों ने पुलिस गश्त बढ़ाने, फोरेंसिक जांच कराने और जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जाएगी। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के नारायणपुर गांव में एक ही रात में तीन घरों में हुई लाखों रुपये की चोरी के बाद पुलिस की कार्यशैली को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना मिलने के बावजूद पुलिस ने घटनास्थल से कोई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र नहीं किए और न ही फोरेंसिक टीम को बुलाया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवार घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मावर गांव के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार दो युवक घायल हो गये।

स्थानीय लोगों के द्वारा उन्हें उपचार के लिये अकबरपुर में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया। जालौन निवासी सोहित व राजेश बाइक से कानपुर की ओर जा रहे थे। अभी वह कोतवाली क्षेत्र के मावर गांव के समीप पहुंचे ही थे कि तभी उनकी बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों घायल हो गये। स्थानीय लोगों के द्वारा उन्हें उपचार के लिये अकबरपुर में भर्ती कराया गया। चिकित्सको के द्वारा उनका उपचार किया गया।

यूपी के परिषदीय स्कूलों में 16 जून से शुरू होगी पढ़ाई, अवकाश बढ़ाने की मांग तेज

» बेसिक शिक्षा विभाग ने विद्यालय खुलने की तिथि में बदलाव के संकेत नहीं दिए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 15 जून को समाप्त हो रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 जून से नए शैक्षिक सत्र के तहत विद्यालयों में नियमित पठन-पाठन शुरू हो जाएगा और छात्र-छात्राएं अपनी कक्षाओं में लौटेंगे। हालांकि, जनगणना कार्य और शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया के बीच शिक्षक संगठनों ने ग्रीष्मकालीन अवकाश एक सप्ताह बढ़ाने की मांग उठाई है। फिलहाल बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालय खुलने की तिथि में किसी बदलाव के संकेत नहीं दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, प्रदेश में 22 मई से जनगणना का कार्य चल रहा है, जो 20 जून तक प्रस्तावित है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि लगभग 90 प्रतिशत शिक्षक, अनुदेशक और शिक्षामित्र जनगणना ड्यूटी में लगाए गए हैं। कई शिक्षकों के विद्यालय और जनगणना कार्यस्थल अलग-अलग स्थानों पर होने से उन्हें दोनों जिम्मेदारियों के निर्वहन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षकों का यह भी कहना है कि कई कर्मचारी अभी तक जनगणना से संबंधित नक्शे और अन्य अभिलेख जमा नहीं कर पाए हैं।

ऐसे में 16 से 20 जून के बीच विद्यालयों में नियमित शिक्षण कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, बेसिक शिक्षा विभाग ने विशेष आवश्यकता वाले शिक्षकों के अंतर्जनपदीय स्थानांतरण के लिए 19 जून तक आवेदन मांगे हैं। स्थानांतरण प्रक्रिया जारी रहने से शिक्षकों की व्यस्तता और बढ़ गई है।

इस बीच कानपुर देहात जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पाण्डेय ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 15 जून को सभी विद्यालयों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाए। विद्यालय परिसरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के बाद 16 जून से कक्षाओं का संचालन शुरू किया जाएगा। विद्यालय खुलने के साथ ही प्रार्थना सभा, खेल गतिविधियां, पुस्तकालय संचालन, मध्याह्न भोजन योजना और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां भी पूर्व की भांति नियमित रूप से संचालित होंगी।

अस्पताल बना बंदरों का अड्डा, उत्पात से दवाएं क्षतिग्रस्त

» जीवन रक्षक इंजेक्शन तोड़े, मरीजों को मिलने वाली दवाओं का हुआ नुकसान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में बंदरों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। अस्पताल के इमरजेंसी कक्ष के रास्ते अंदर घुसे बंदरों ने औषधि कक्ष को निशाना बनाते हुए दवाइयों को बिखेर दिया और कई महंगे जीवन रक्षक इंजेक्शन तोड़ डाले। घटना से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया और मरीजों को मिलने वाली दवाओं को भी नुकसान पहुंचा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बंदरों का एक बड़ा झुंड अस्पताल परिसर में पहुंचा और सीधे इमरजेंसी कक्ष के रास्ते औषधि केंद्र तक जा पहुंचा। वहां रखी दवाओं की पेटियां खोलकर बंदरों ने दवाइयों के पत्ते और डिब्बे इधर-उधर फेंक दिए। कई इंजेक्शन जमीन पर गिरकर टूट गए। बंदरों ने दवाओं के पैकेट फाड़कर अस्पताल की गैलरी और मुख्य गेट के सामने तक फैला दिए। कुछ समय बाद जब अस्पताल का स्टाफ औषधि कक्ष पहुंचा तो वहां का दृश्य देखकर हैरान रह गया। फर्श पर बिखरी दवाइयां, टूटे इंजेक्शन और क्षतिग्रस्त सामग्री अस्पताल में हुई भारी अव्यवस्था की

गवाही दे रही थी। कर्मचारियों ने काफी देर तक सफाई और दवाओं को व्यवस्थित करने का काम किया।

मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि अस्पताल में बंदरों की समस्या नई नहीं है। पहले भी बंदर मरीजों की पर्चियां, जांच रिपोर्ट और अन्य जरूरी कागजात छीनकर ले जा चुके हैं। लोगों का आरोप है कि अस्पताल के कुछ हिस्सों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और दरवाजों का अभाव होने के कारण बंदर आसानी से अंदर प्रवेश कर जाते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अस्पताल परिसर और

नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी नीति त्रिपाठी ने बताया कि बंदरों की बढ़ती समस्या को देखते हुए वन विभाग को पत्र भेजा गया है तथा उन्हें पकड़ने के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है

उसके आसपास बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। खाने-पीने का सामान देखते ही बंदर लोगों पर झपट पड़ते हैं। कई बार मरीजों, तीमारदारों और राहगीरों पर हमला कर उन्हें घायल भी कर चुके हैं। इससे अस्पताल आने वाले लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

अस्पताल के समीप रहने वाले दीपक मिश्रा, जीतू, रामू कटियार और अन्नू ने बताया कि बंदरों के कारण आमजन का बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। आए दिन सरकारी और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंच रहा है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। राजपुर पीएचसी प्रभारी डॉ. सलिल सचान ने बताया कि घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। उन्होंने कहा कि यदि किसी कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

झींझक और रसूलाबाद की नो एंट्री व्यवस्था पर उठे सवाल

» एमएलसी अरुण पाठक ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर समाधान की मांग की

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कार्यकर्ताओं की समस्याओं और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर अरुण पाठक ने सोमवार को जनपद के जिलाधिकारी कपिल सिंह से मुलाकात कर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

सोमवार को सदस्य विधान परिषद अरुण पाठक जिला मुख्यालय माती स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने जिलाधिकारी कपिल सिंह के साथ जनहित के कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने झींझक कस्बे में लागू नो एंट्री व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों की परेशानियों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि वर्तमान में झींझक कस्बे से काफी पहले नो एंट्री लगाए जाने के कारण आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि नो एंट्री का स्थान बदलकर झींझक कस्बे की सीमा के निकट निर्धारित किया जाए, जिससे स्थानीय यातायात प्रभावित न हो और आम लोगों को राहत मिल सके। इसके अलावा उन्होंने रसूलाबाद क्षेत्र में भी नो एंट्री व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को उठाया। उनका कहना था कि मुख्य तिराहे पर नो एंट्री लागू होने से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से यातायात व्यवस्था की समीक्षा कर व्यावहारिक समाधान निकालने की मांग की।

पंढरपुर में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप कुएं में गिरी, 14 की मौत

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के पंढरपुर तालुका में सिद्धनाथ मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं की पिकअप वैन अनियंत्रित होकर कुएं में गिरी, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के पंढरपुर तालुका में रविवार को एक भीषण सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित कुएं में जा गिरी, जिससे कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई।

आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि बचाव एवं राहत अभियान देर तक जारी रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंढरपुर तालुका के रंजनी गांव के निवासी एक पिकअप वाहन में सवार होकर म्हसवड स्थित सिद्धनाथ मंदिर में दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान तांदुलवाड़ी गांव के निकट वाहन चालक का नियंत्रण गाड़ी से अचानक हट गया। तेज रफ्तार पिकअप सड़क से नीचे उतरकर सीधे एक गहरे कुएं में जा गिरी।

हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीण सबसे पहले सहायता के लिए पहुंचे और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस, राजस्व विभाग तथा आपदा राहत दल घटनास्थल पर पहुंच गए।

बचावकर्मियों ने कुएं में उतरकर राहत अभियान शुरू किया और एक-एक कर शवों तथा घायलों को बाहर निकाला।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार अब तक 14 शव बरामद किए जा चुके हैं। प्रशासन का कहना है कि कुएं की गहराई और दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए तलाशी अभियान सावधानीपूर्वक चलाया जा रहा है।

मृतकों की पहचान की प्रक्रिया भी जारी है।घटना के बाद रंजनी और आसपास के गांवों में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है

। जिला प्रशासन ने बताया कि सभी शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसके बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। साथ ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। फिलहाल सरकार या जिला प्रशासन की ओर से किसी प्रकार के मुआवजे की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

26 साल में गायब हुए 56 असलहे 45 का अब तक नहीं मिला सुराग

» गोरखपुर-बस्ती परिक्षेत्र में सर्विस रिवॉल्वर से लेकर एके-47 तक लापता, शासन ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ?। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2000 से अब तक गायब हुए सरकारी और लाइसेंसी असलहों का ब्योरा जुटाने की कवायद शुरू की है। समीक्षा में गोरखपुर-बस्ती परिक्षेत्र के सात जिलों से 56 असलहे गायब होने का मामला सामने आया है। इनमें से 45 असलहे अब तक बरामद नहीं हो सके हैं। लापता हथियारों में पुलिसकर्मियों की सर्विस रिवॉल्वर, पिस्टल, कारबाइन, रायफल और एके-47 जैसे अत्याधुनिक हथियार भी शामिल हैं। कई मामलों में पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट (एफआर) लगाकर जांच बंद कर दी है।आंकड़ों के मुताबिक नेपाल सीमा से सटे सिद्धार्थनगर जिले से सबसे अधिक 17 असलहे गायब हुए, जिनमें से 13 अब तक नहीं मिले हैं। यहां गायब हथियारों में एके-47 और 9 एमएम पिस्टल भी शामिल हैं। वर्ष 2015 में लापता हुई 9 एमएम पिस्टल के मामले में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है, जबकि वर्ष 2009 में गायब हुई दूसरी पिस्टल के मामले में उसी वर्ष एफआर लगा दी गई थी।महराजगंज जिले से तीन असलहे गायब हुए और कोई भी बरामद नहीं हो सका। देवरिया में भी तीन हथियार लापता हुए, जिनमें बरहज क्षेत्र से गायब हुई एक सरकारी रिवॉल्वर शामिल है। इस मामले में भी एफआर लग चुकी है। वहीं कुशीनगर में गायब हुए चारों असलहे बरामद कर लिए गए हैं। संतकबीरनगर में वर्ष 2021 में एक असलहा गायब हुआ था, जिसकी बरामदगी अब तक नहीं हो सकी और मामले में एफआर लगा दी गई।बस्ती जिले में पिछले 26 वर्षों में 15 असलहे गायब हुए, जिनमें से एक भी बरामद नहीं हो सका। इनमें कोतवाली बस्ती की सर्विस रिवॉल्वर, एक सरकारी रायफल और एक कारबाइन भी शामिल है। कुछ मामलों में एफआर लग चुकी है, जबकि एक मामला अभी न्यायिक प्रक्रिया में है।

गोरखपुर जिले में 13 असलहे गायब होने की जानकारी सामने आई है। इनमें सात रिवॉल्वर, तीन पिस्टल और एक सरकारी पिस्टल शामिल है। सरकारी पिस्टल बरामद हो चुकी है और उससे जुड़ा मामला न्यायालय में विचाराधीन है, लेकिन कुल 10 हथियार अब भी लापता हैं। गायब असलहों की बड़ी संख्या सामने आने के बाद शासन ने सभी जिलों से वर्तमान स्थिति, जांच की प्रगति और बरामदगी संबंधी विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। साथ ही पुराने मामलों की दोबारा समीक्षा शुरू कर दी गई है। गोरखपुर और बस्ती मंडल से बड़ी संख्या में हथियार गायब होने की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

पिता बना जल्लाद कुल्हाड़ी से वार कर बेटी को उतारा मौत के घाट

» प्रेम संबंध को लेकर परिवार पर पड़ रहे सामाजिक दबाव और तानों से परेशान था आरोपी, पत्नी भी हमले में घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फिरोजाबाद। जनपद में ऑनर किलिंग की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपनी ही बेटी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, युवती कुछ समय पूर्व एक युवक के साथ घर छोड़कर चली गई थी।

बाद में उसके वापस लौटने के बावजूद परिवार को लगातार सामाजिक तानों और बेइज्जती का सामना करना पड़ रहा था। इसी तनाव के चलते आरोपी पिता ने यह खौफनाक कदम उठा लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना फिरोजाबाद के एक आवासीय मोहल्ले में हुई। आरोपी पिता ने घर में मौजूद बेटी पर कुल्हाड़ी से कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची आरोपी की पत्नी भी घायल हो गई। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है तथा हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है।

मामले की जांच विभिन्न पहलुओं से की जा रही है।एसपी ग्रामीण ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि बेटी के युवक के साथ चले जाने के बाद परिवार को लगातार सामाजिक तिरस्कार और तानों का सामना करना पड़ रहा था। इसी बात को लेकर आरोपी मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच कर रही है और साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं।

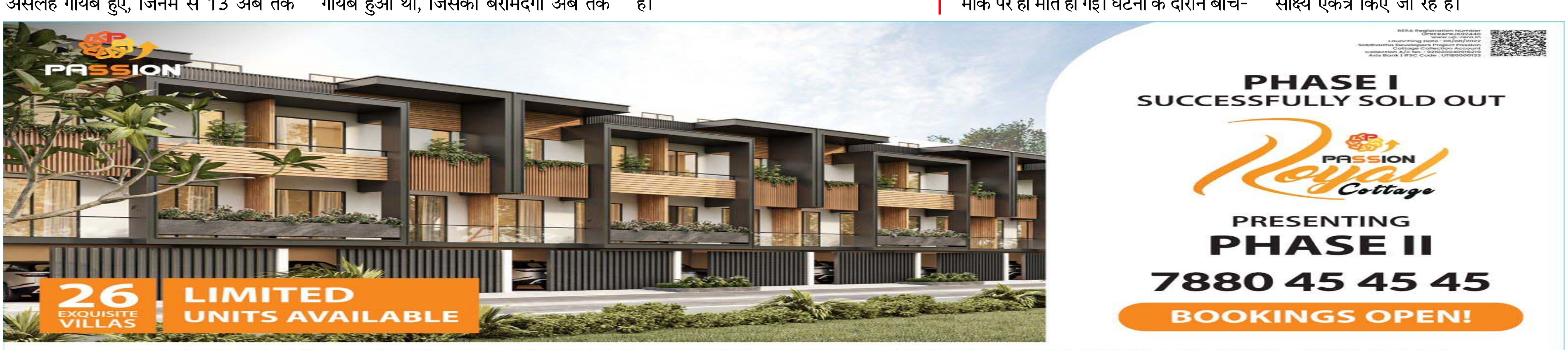

सब चोर हैं, इनकी छुट्टी करो!

» राम मंदिर दान प्रकरण पर विनय कटियार का विस्फोटक बयान

» आंदोलन के सेनापति ने खोला मोर्चा, तो बढ़ गए करोड़ों के सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

विनय कटियार पूर्व सांसद

अयोध्या में राम मंदिर की दान राशि में कथित गड़बड़ी के मामले ने अब ऐसा मोड़ ले लिया है, जहां सवाल सिर्फ पैसों का नहीं बल्कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था का बन गया है। इस बीच राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता विनय कटियार का बयान पूरे घटनाक्रम में नई हलचल पैदा कर गया है।

कटियार ने दो टूक शब्दों में कहा, अगर किसी ने गड़बड़ी की है तो उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए।

ये जितने भी हैं, सब चोर हैं, इनकी छुट्टी करो। अब तक विपक्ष के आरोपों को राजनीतिक हमला बताकर खारिज किया जा रहा था, लेकिन जब राम मंदिर आंदोलन के पुराने योद्धा और भाजपा के वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे हैं, तो मामला और गंभीर हो गया है।

कटियार ने याद दिलाया कि राम मंदिर आंदोलन केवल एक राजनीतिक अभियान नहीं था, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और हजारों कार्यकर्ताओं के संघर्ष का परिणाम था। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बलिदान का जिक्र करते हुए कहा कि इस आंदोलन के लिए लोगों ने पद, प्रतिष्ठा और राजनीतिक भविष्य तक दांव पर लगा दिया था। अब सवाल सिर्फ पांच लोगों का नहीं है।

सूत्रों के अनुसार जांच के घेरे में आए पांच नामों को लेकर पूछताछ जारी है और करोड़ों रुपये के कथित हेरफेर की चर्चा राष्ट्रीय बहस बन चुकी है। हालांकि वास्तविक राशि और जिम्मेदार लोगों की भूमिका पर अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि गड़बड़ी हुई तो क्या यह केवल निचले स्तर तक सीमित थी या फिर इसके पीछे कोई बड़ा तंत्र सक्रिय था?

एसआईटी पर टिकी देश की नजर

राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी अब पूरे मामले की परतें खोलने में जुटी है। अयोध्या से लेकर दिल्ली तक निगाहें इसी पर टिकी हैं कि आखिर दानपात्र से निकली रकम का रास्ता कहां जाकर खत्म हुआ। रामभक्त जानना चाहते हैं कि यदि किसी ने आस्था के नाम पर मिली दानराशि में हाथ डाला है तो उसके खिलाफ कार्रवाई कब होगी।

चढ़ावा प्रकरण: एसआईटी की रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई: नृपेंद्र मिश्र

15 अगस्त तक जगमगाएगा मंदिर, अगस्त 2026 तक पूरी होगी सुरक्षा दीवार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए मंदिर निर्माण कार्यों और चढ़ावा प्रकरण की जांच पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा मामले में गठित एसआईटी की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने 24 घंटे के भीतर तीन वरिष्ठ अधिकारियों की जांच समिति गठित कर अपनी गंभीरता दिखाई है।

उन्होंने बताया कि एसआईटी को एक सप्ताह में प्रारंभिक और 15 दिनों में अंतिम रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। जांच समिति की संस्तुतियों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर परिसर की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए लगभग चार किलोमीटर लंबी अत्याधुनिक बाउंड्री वॉल और 25 वॉच टावर बनाए जा रहे हैं। यह कार्य ईआईएल द्वारा कराया जा रहा है और अगस्त 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर की भव्य फसाड लाइटिंग 15 अगस्त तक शुरू होने की उम्मीद है। वहीं प्रस्तावित राम कथा संग्रहालय की 20 गैलरियों की स्क्रिप्ट भी तैयार हो चुकी है, जिससे श्रद्धालुओं को भगवान राम के जीवन और इतिहास से जुड़ी विस्तृत जानकारी मिल सकेगी।

राम मंदिर ट्रस्ट भंग हो, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच: अवधेश प्रसाद

» सपा सांसद बोले एसआईटी पर भरोसा नहीं, आस्था के सवाल पर निष्पक्ष जांच जरूरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने प्रेस वार्ता कर राम मंदिर ट्रस्ट और प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष जांच केवल सुप्रीम कोर्ट के निर्देशन में गठित स्वतंत्र समिति ही कर सकती है।सांसद ने मांग की कि जांच शुरू होने से पहले राम मंदिर ट्रस्ट को भंग कर उसके जिम्मेदार पदाधिकारियों को पद से हटाया जाए, ताकि जांच किसी भी प्रकार से प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के पदाधिकारी पद पर बने रहेंगे तो निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। अवधेश प्रसाद ने इस पूरे मामले को सामने लाने का श्रेय सपा प्रमुख अखिलेश यादव को देते हुए कहा कि उनके द्वारा उठाए गए सवालों के बाद ही प्रकरण सार्वजनिक चर्चा में आया। सांसद ने कहा कि यह मामला केवल ट्रस्ट या सरकार का नहीं, बल्कि भगवान राम और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है। उन्होंने दावा किया कि चढ़ावे की रकम छिपाए जाने जैसी गंभीर सूचनाएं सामने आ रही हैं और पूरे मामले की सच्चाई सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होने पर ही सामने आएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

रामलला के दरबार पहुंचे कारागार राज्यमंत्री

बोले- एसआईटी जांच से सामने आएगी सच्चाई

» 2027 को लेकर भाजपा तैयार, जेलों को सुधार गृह बनाने पर सरकार का फोकस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के कारागार राज्य मंत्री सुरेश राही शनिवार को परिवार सहित अयोध्या पहुंचे और रामलला के दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। सर्किट हाउस पहुंचने पर कारागार विभाग के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि अयोध्या आने और रामलला के दर्शन करने की उनकी हमेशा इच्छा रहती है।राम मंदिर चढ़ावे में कथित घोटाले के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है और प्रदेश सरकार ने एसआईटी गठित कर दी है। जांच पूरी होने के बाद सच्चाई स्वतः सामने आ जाएगी। कारागार मंत्री ने दावा किया कि योगी सरकार के कार्यकाल में जेलों में व्यापक सुधार हुए हैं और उन्हें सुधार गृह के रूप में विकसित किया जा रहा है।

जेल से दो बंदियों के फरार होने की घटना पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाती है। वहीं 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता हमेशा चुनावी मोड में रहता है, जबकि विपक्ष के पास जनता के बीच जाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है।

पब्लिक के टैक्स से लगे वाटर कूलर सूखे, साहब के केबिन में मिनरल वाटर !

सदर तहसील अयोध्या में प्यासी जनता और एसी कमरों में बंद प्रशासन की कहानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

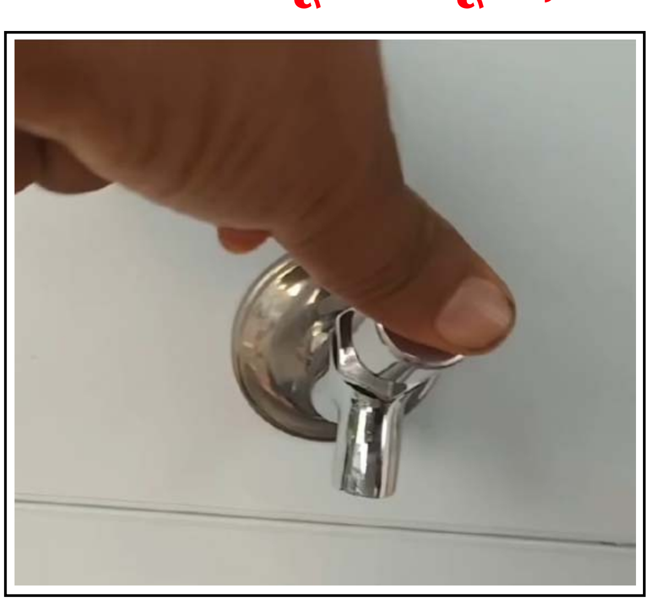

अयोध्या की सदर तहसील इन दिनों किसी राजस्व कार्यालय से ज्यादा प्रशासनिक विडंबना का स्मारक नजर आ रही है। एक तरफ भीषण गर्मी में अपनी फरियाद लेकर आने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और किसान पानी की एक-एक बूंद के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं, तो दूसरी तरफ वातानुकूलित कमरों में बैठे जिम्मेदार अधिकारी सील पैक पानी की बोतलों के साथ सरकारी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।

तहसील परिसर में जनता की सुविधा के लिए लगाए गए वाटर कूलर और वाटर फ्रीजर आज महज शोपीस बनकर रह गए हैं। जिन मशीनों का उद्देश्य प्यासे लोगों को राहत देना था, उनमें पानी तक उपलब्ध नहीं है। सवाल यह है कि जब जनता के पैसे से ये व्यवस्थाएं बनाई गई हैं तो उनकी देखरेख की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? तहसील परिसर में लगे वाटर कूलर दूर से व्यवस्था का एहसास कराते हैं, लेकिन पास जाकर हकीकत सामने आ जाती है।

नल सूखे हैं, टंकियां खाली हैं और मशीनें खामोश। ऐसा लगता है मानो इनका काम केवल फोटो खिंचवाने और सरकारी रिपोर्टों में सुविधा दर्शाने तक सीमित रह गया हो। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या किसी अधिकारी ने कभी अपने केबिन से निकलकर यह देखने की जरूरत समझी कि परिसर में खड़े लोग पानी पी भी पा रहे हैं या नहीं? यदि नहीं, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि संवेदनहीनता का मामला भी माना जाएगा।

करोड़ों की योजनाएं, एक घूंट पानी नहीं

सरकारें जनसुविधाओं पर करोड़ों रुपये खर्च करने के दावे करती हैं। लेकिन जब तहसील जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यालय में पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधा भी ठप मिले, तो विकास के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जनता पूछ रही है कि वाटर कूलर में पानी भरवाने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या इनकी नियमित निगरानी होती है? यदि व्यवस्था खराब है तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या अधिकारी केवल फाइलों में जनता की सेवा कर रहे हैं? अयोध्या की जनता अब उम्मीद कर रही है कि जिलाधिकारी और तहसील प्रशासन इस मुद्दे का संज्ञान लेंगे और कम से कम इतनी व्यवस्था तो सुनिश्चित करेंगे कि अपनी समस्या लेकर आने वाले नागरिकों को एक गिलास ठंडा पानी नसीब हो सके।

अमेरिका-ईरान समझौता, 107 दिन पुराने तनाव का अंत, तेल बाजार में गिरावट

स्विट्जरलैंड में होंगे डील पर हस्ताक्षर, होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने की संभावना से वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार को राहत के संकेत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले 107 दिनों से जारी तनाव अब समाप्ति की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। दोनों देशों के बीच युद्धविराम पहले से लागू होने के बीच शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना जताई जा रही है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों और ईरानी सूत्रों के अनुसार, यह 14 सूत्रीय समझौता क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रतिबंधों में राहत और परमाणु विवाद के समाधान की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

रिपोर्टों के मुताबिक, समझौते के तहत अमेरिका और ईरान कई चरणों में विश्वास बहाली के उपाय करेंगे। सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह बताई जा रही है कि अंतिम दौर की व्यापक वार्ता तभी शुरू होगी जब ईरान को प्रारंभिक वित्तीय राहत मिल जाएगी, तेल प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी और नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त होगी। इसके बदले ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगाए गए सैन्य अवरोध हटाकर अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों के लिए मार्ग खोल देगा।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

समझौते के मसौदे में ईरान की 24 अरब डॉलर की फ्रीज की गई संपत्तियों को चरणबद्ध तरीके से जारी करने, तेल एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र पर लगे प्रतिबंधों में राहत देने तथा परमाणु मुद्दे पर 60 दिनों के भीतर अंतिम व्यापक समझौते की दिशा में आगे बढ़ने का प्रावधान बताया गया है। ईरान ने परमाणु हथियार नहीं बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है, जबकि उच्च स्तर तक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को कम करने पर भी सहमति जताई है।

हालांकि लेबनान में इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष को लेकर अंतिम मसौदे में कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। ईरान इसे महत्वपूर्ण मुद्दा मानता रहा है, लेकिन अमेरिका और इजरायल का रुख रहा है कि लेबनान का मामला अलग विषय है।

समझौते की खबर सामने आते ही अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में तेज प्रतिक्रिया देखने को मिली। वैश्विक आपूर्ति बाधित होने की आशंका कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई और भाव लगभग 86 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुलता है तो वैश्विक ऊर्जा बाजार को बड़ी राहत मिल सकती है। हालांकि समझौते से जुड़ी कई जानकारियां अभी आधिकारिक पुष्टि और अंतिम हस्ताक्षर प्रक्रिया पर निर्भर हैं। शुक्रवार को प्रस्तावित हस्ताक्षर और उसके बाद जारी होने वाले आधिकारिक दस्तावेजों से स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों है इतना महत्वपूर्ण

- दुनिया के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।
- किसी भी सैन्य तनाव या अवरोध से तेल की कीमतों में तत्काल उछाल आता है।
- मार्ग खुलने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला सामान्य होने और ईंधन कीमतों पर दबाव घटने की संभावना।
- खाड़ी देशों का कच्चा तेल एशिया, यूरोप और अमेरिका तक पहुंचाने का प्रमुख मार्ग।

स्काइडाइविंग फ्लाइट बनी मौत का सफर, विमान हादसे में 12 की मौत

उड़ान भरते ही बिगड़ा संतुलन, खेत में गिरते ही आग का गोला बना विमान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका के मिसौरी राज्य में रविवार को एक भीषण विमान हादसे में 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। स्काइडाइविंग के लिए यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाला छोटा विमान टेकऑफ के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मिसौरी के बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के पास हुआ, जिसके बाद विमान में भीषण आग लग गई और उसमें सवार सभी लोगों की जान चली गई।

मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल के अनुसार, रविवार सुबह करीब 11:30 बजे आपातकालीन सेवाओं को विमान दुर्घटना की सूचना मिली। राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक विमान पूरी तरह आग की चपेट में आ चुका था। दुर्घटनास्थल एयरपोर्ट के निकट एक खेत में था, जहां सुरक्षा कारणों से आसपास की सड़कें भी अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विमान ने उड़ान भरने के तुरंत बाद बाईं ओर मोड़ लिया था।

अधिकारियों के मुताबिक, ऐसा प्रतीत होता है कि विमान की शक्ति अचानक कम हो गई थी और पायलट उसे सुरक्षित उतारने का प्रयास कर रहा था। हालांकि विमान नियंत्रण खो बैठा और तेजी से नीचे गिरते हुए जमीन से टकरा गया। टक्कर के बाद उसमें भीषण आग लग गई। हादसे का शिकार हुआ विमान पैसिफिक एयरोस्पेस 750 एक्सेल मॉडल का सिंगल-इंजन टर्बोप्रॉप था, जिसका इस्तेमाल स्काइडाइविंग, माल ढुलाई, हवाई सर्वेक्षण और मेडिकल इवैक्यूएशन जैसे कार्यों में किया जाता है। अधिकारियों ने पूरे इलाके की तलाशी ली, लेकिन ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि दुर्घटना से पहले किसी यात्री ने पैराशूट के जरिए विमान से छलांग लगाई हो। फिलहाल संघीय विमानन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रहे हैं। इस दुखद दुर्घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

जेवर एयरपोर्ट पहुंची पहली फ्लाइट

वाटर कैनन सलामी से स्वागत

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रविवार को वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन औपचारिक रूप से शुरू हो गया। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से रवाना हुई इंडिगो की पहली निर्धारित उड़ान 6ई-2278 जैसे ही नोएडा एयरपोर्ट पहुंची, उसका वाटर कैनन सलामी और यात्रियों की तालियों के बीच भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का भी एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने के साथ ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के प्रमुख हवाई अड्डों की सूची में शामिल हो गया है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लाखों यात्रियों को बेहतर हवाई सुविधा मिलेगी, साथ ही दिल्ली एयरपोर्ट पर निर्भरता भी कम होगी। यात्रियों ने एयरपोर्ट की आधुनिक सुविधाओं, सुगम पहुंच और ट्रैफिक मुक्त यात्रा अनुभव की सराहना की।

यात्रियों का कहना है कि अब उन्हें उड़ान पकड़ने के लिए दिल्ली तक लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा। नोएडा से बेंगलुरु जाने वाले एक यात्री ने बताया कि एयरपोर्ट तक पहुंचने में किसी प्रकार की ट्रैफिक समस्या का सामना नहीं करना पड़ा और पूरा अनुभव बेहद सुविधाजनक रहा।

एयरपोर्ट के संचालन से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। स्थानीय किसानों और निवासियों ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह परियोजना आने वाली पीढ़ियों के लिए रोजगार, व्यापार और विकास के नए अवसर लेकर आएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com